an>

Title: Need to procure paddy from farmers at minimum support price in a time-bound manner in Sahajahanpur Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh.

श्रीमती कृष्णा राज (शाहजहाँपुर): अविलंबनीय लोक महत्व का विषय है कि धान की फसल ने सूखे व बाढ़ के कारण किसानों को पहले ही बर्बादी के कगार पर पहुंचा दिया । रात-दिन मेहनत करके किसानों ने फसल तैयार की लेकिन उत्तर प्रदेश में दिनांक 29.10.2014 तक 80 प्रतिशत धान क्रय केन्द्रों पर खाता भी नहीं खुला पाया । महोदया, जबकि शाहजहांपुर जनपद में कुल 73 धान क्रय केन्द्र खोले गये हैं । पूरा अक्तूबर माह बीतने के बावजूद लक्ष्य का 5 प्रतिशत भी धान क्रय नहीं किया गया जबकि शाहजहांपुर जनपद धान की पैदावार में उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान पर है लेकिन अक्तूबर माह के अंत तक 300 मीट्रिक टन धान की खरीद नहीं हो पायी जबकि 01.10.2014 से 31.10.2014 तक 11.5 लाख क्विंटल से अधिक मंडी में धान की आवक हो चुकी थी ।

रौंजा मण्डी में 11 नवम्बर तक 14,92,764 क्विंटल धान आया किंतु, क्रय केन्द्र बंद होने के कारण व नमी का कारण बताकर किसानों का धान नहीं लिया गया । उत्तर प्रदेश में किसान मजबूरन बिचौलियों के हाथों लुटने के लिए मजबूर हैं । रौंजा मुख्य मण्डी में एक माह में मात्र 20 क्विंटल सरकारी खरीद हुई जबकि मण्डी परिसर में भारतीय खाद्य निगम, बी0सी0एफ0 केरूमंज, मिश्रीपुर सहित चार केन्द्र बनाये गये हैं । केवल एफ0सी0आई0 केन्द्र पर 20 क्विंटल धान खरीदा गया । दूसरी तरफ 10 दिनों के भीतर आढ़तियों द्वारा 3,27,291 क्विंटल धान की खरीद की गई जबकि खाद्य एवं रसद विभाग के केन्द्र पर 414 क्विंटल, भारतीय खाद्य निगम केन्द्र पर 47 क्विंटल एवं पी0सी0एफ0 केन्द्र पर 403 क्विंटल ही धान खरीदा गया ।

भारत सरकार ने धान का मूल्य 1500/- रूपये घोषित किया जबकि किसान अपनी उपज को बिचौलियों के हाथ मात्र 800 से 900 रूपये प्रति क्विंटल की दर पर बेच रहा है ।

मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह उत्तर प्रदेश में विशेष तौर से शाहजहांपुर संसदीय क्षेत्र में किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान क्रय करने हेतु शीघ्र आवश्यक कदम उठाए ।